पंचम वर्ग के शेष अक्षर ' फ , ब, भ म ' से आरम्भ होने वाले शब्द

1031. फंग : अनुराग का बन्धन ।
1032. फंद : दु:ख का बन्धन । कष्ट ।
1033. फंदा : फॉसने के लिये लगाया गया मोटी रस्सी का घेरा ।
1034. फॅसना : अटकन। उलझना ।

1035. फटक : तत्क्ष । झटपट । फटाफट ।
1036. फन्नी : लकड़ी का छोटा टुकड़ा जो ढ़ीली वस्तु को दृढ़ करने के लिये ठोका जाता है ।
1037. फबना : अच्छी पोशाक पहिनने के कारण सुन्दर या भला जान पड़ना ।

1038. फल : लाभ । वनस्पति में होनेवाला गूदे से परिपूर्ण वह बीजकोष, जो फूलों से उत्पन्न होता है । कर्मों का परिणाम । बाण या भाले का भेदने वाला नुकीला भाग ।
1039. फाल : लोहे की चौकोर छड़ जिसका सिरा नुकीला होता है ।

1040. गणित फल : में किसी क्रिया का परिणाम । उद्देश्य की सिद्धि । सूद । त्रैराशिक की तीसरी राशि । क्षेत्रफल ।
1041. फलक : हथेली । चौकी । पटरा ।
1042. फलाफल : अच्छा या बुरा परिणाम ।

1043. फलित : पूर्ण । सम्पूर्ण ।
1044. फलिन : जिसमें फल लगे हों ।
1045. फली : चिपटे और लम्बे आकार के फल जिनमें बीज भरे होते हैं । जैसे कि, सेम की फली ।

1046. फाग : फागुन माह में गाया जाने वाला गीत ।

1047. फिर : दुबारा , पुनः । अनन्तर । उपरान्त । भविष्य में । किसी समय आगे चल कर । एक अन्तराल के बाद दोबारा । इसके अतिरिक्त ।

1048. फिरना : विचरना । टहलना । चक्कर लगाना । फेरा लगाना । विपरीत होना । मुड़ना । इधर से उधर घूमना ।

1049. फीका : खाद्य पदार्थों के अनेक स्वादों में से एक स्वाद जो कि न मीठा, न नमकीन, न खट्टा , न कड़वा , न कसैला यानि जो व्यंजन बिना किसी स्वाद के हो। नीरस । व्यर्थ । कान्तिहीन । निष्फल । घुमिल ।

1050. फुकना : भस्म हो जाना । जल जाना । नष्ट हो जाना ।

1051. फुलेरा : फूलों की बनी छतरी जो देवतों की मूर्तियों के ऊपर लगाई जाती है ।

1052. फुसलाना : भुलावा दे कर शान्त करना या चुप कराना ।

1053. फुसफुसाना : बहुत धीमी आवाज़ में बात कहना ।

1054. फुटकर : थोड़ा थोड़ा । अनेक प्रकार का ।

1055. फुट : जिसका परस्पर सम्बन्ध टूट गया हो या जो अलग हो गया हो ।

1056. फूट : विरोध । आपसी मतभेद । वैर ।

1057. फूल : पुष्प । कुसुम । पौधों पर खिलने वाला, रंगीन पंखुड़ियों का हिस्सा, जिसपर तितलीयॉ और मधुमख्खीयॉ रस के लिये बैठती हैं । तॉबे और रॉगे के मेल से बनी एक मिश्रित धातु जिसके बर्तन बनते हैं ।

1058. फूलना : विकसित होना । घमंड करना । आन्नदित होना । मोटा हो जाना ।

1059. फेंकना : एक स्थान से उठा कर दूसरे स्थान पर डालना । जैसे कि गेंद फेंकना । उछालना । अपव्यय करना । छोड़ना ।

1060. फेरना : पलटना । बदलना । बारम्बार दोहराना । लौटना । ऐंठना । मरोड़ना । पीछे चलना । पोतना । तह चढ़ाना ।

1061. फैलना : लगातार स्थान घेरना । बहुतायत से मिलना । प्रसिद्ध होना । मोटाना । अधिक खुलना । व्यापक होना । बिखरना ।

1062. फैलाना : इधर उधर दूर तक पहुॅचाना । छेद या गड्ढ़े को बढ़ाना । हिसाब किताब करना । बढ़ाना । गुण भाग की क्रिया का ठीक होने की परीक्षा लेना । पसारना । बिखेरना । व्यापक करना । प्रसिद्ध करना ।

' ब ' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

1063. बंगला : एक खण्ड का मकान जिसके चारों ओर बरामदे होते हैं और छत पर एक हवादार कमरा बना होता है ।

1064. बंटा : गोल या चौकोर छोटा सा डिब्बा ।

1065. बंबा : जल का सोता या हाथ से पानी निकालने का नल ।
1066. बंबू : बॉस की छोटी , पतली नली जो नर्म टहनी की तरह होती है । इससे मारने पर अधिक चोट लगती है ।

1067. बकमौन : चुपचाप अपना कार्य करने वाला व्यक्ति । अपना उद्देश्य पूर्ण करने के लिये बगुले की तरह सीधा हो कर चुपचाप खड़े रहने की क्रिया या भाव ।

1068. बकवाद : व्यर्थ की बकबक ।

1069. बखान : वर्णन । कथन । गुण कीर्तन । प्रशंसा ।
1070. बखिया : एक प्रकार की महीन, पुष्ट सिलाई ।

1071. बगीचा : उपवन । विशेष स्थान जहॉ अनेक प्रकार के फूलों के पौधे, सजावटी ढ़ंग से लगाये जाते हैं । कई बड़े भवनों के आगे या चारों तरफ भी बगीचे लगाये जाते हैं ।
1072. बगिया : छोटा उपवन ।
1073. बाग :सुनिश्चित ढ़ंग से बनाया गया बड़ा उपवन, जिसमें फूलों के साथ साथ फलों की भी वृक्ष होते हैं ।
1074. बनवारी : फल का बगीचा ।
1075. बनस्थली : वन या जंगल का कोई हिस्सा ।
1076. बचत : लाभ । शेष । बचाया हुआ धन ।

1077. बजना : आघात होना । प्रहार होना । शस्त्रों का चलना । बजाने वाले बाजे की ध्वनि ।
1078. बजाना : शब्द का उत्पन्न होना । आघात पहुॅचाना ।

1079. बटन : सिलाई किये हुए वस्त्र को पहिनने के बाद, आगे या पीछे के हिस्से को बन्द करने के लिये लगाए गए, छोटे छोटे बटन, जो धातु या अन्य ठोस पर्दाथ से बने होते हैं और आसानी से बन्द किये या खोले जा सकते हैं ।

1080. बटन : बटने की क्रिया, जो रस्सी बनाने या पतले सूत को मोटा सूत बनाने के लिये की जाती है । इस में कई तागों को एक साथ मिलाकर और एक तरफ से सुदृढ़ रूप से बॉध कर, दूसरे छोर से विशेष प्रकार से ऐंठा या मरोड़ा जाता है, जिससे सभी तागें एक ठोस रस्सी के आकार में बंध जाते हैं ।

1081. बटम : कोण नापने का मान । अंग्रेज़ी में इसे ' प्रोट्रैक्टर ' कहते हैं ।

1082. बटखरा : तौलने का मान । बॉट ।

1083. बटा : गणित में अपूर्ण संख्या का अंक भाग ।

1084. बट्टा : हानि । पत्थर आदि का गोल टुकड़ा । कूटने या पीसने का पत्थर । वह कमी जो लेन देन में किसी वस्तु के मूल्य में दी जाती है ।

1085. बट्टेबाज़ : धूर्त । दूसरों का नुकसान कराने वाला । नाप तोल में हेरा फेरी करने वाला, दुकानदार या सौदागर ।

1086. बड़प्पन : महत्व । श्रेष्ठता । बड़ा ।

1087. बड़ा : अधिक विस्तृत । लम्बा चौड़ा । श्रेष्ठ । उत्तम ।

1088. बड़ा : मसाला मिला कर बनाई गई उर्द दाल की ठोस पिट्ठी से , गोलाकार बना कर और उसके केन्द्र में खाली जगह छोड़ कर बने आकार को, तेल में तलने के बाद 'बड़ा' बनता है । यह रूखा नमकीन पकवान, दक्षिण भारत में सांबर के साथ

'सांबर बड़ा', और उत्तर भारत में दही में सोक कर ' दही बड़ा' के नाम से जाना जाता है।

1089. बड़ी : उर्द दाल की पिट्ठी में मसाला मिला कर, छोटी छोटी टिकिया के रूप में धूप में सुखाया जाता है । इसे बड़ी के नाम से, आलू की तरकारी में डाल कर पकाया जाता है ।

1090. बड़ाई : प्रशंसा : बड़प्पन । श्रेष्ठता ।

1091. बढ़ती : मात्रा में वृद्धि । अन्न या संख्या में वृद्धि । धन धान्य में वृद्धि ।

1092. बढ़ना : वृद्धि या उन्नति करना । दुकान आदि का बन्द होना । किसी कार्यलय को विकसित करना । दाम या भाव अधिक करना । चलाना ।

1093. बदलनाः भिन्न होना । एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना । एक के स्थान पर दूसरा हो जाना ।

1094. बदलाः प्रतिफल । प्रतीकार । प्रतिशोध किसी से शत्रुता का व्यवहार करना ।

1095. बदा : प्रारब्ध में लिखा हुआ ।

1096. बद्ध : बँधा या बाँधा हुआ । जकड़ा हुआ ।

1097. बध या वध : हत्या । हनन ।

1098. बधाई : शुभ अवसर पर दिया जाने वाला उपहार या मंगलकामना । चहल पहल । मंगलाचार ।

1099. बनना : रचा जाना । तैयार होना । आपस में मित्रता होना । अच्छा अवसर प्राप्त होना । स्वरूप धारण करना । मूर्ख या सीधा सादा , या अनजान होने का अभिनय करना ।

1100. बनाना : प्रस्तुत करना । रचना । तैयार करना । आविष्कार करना दोष हटा कर ठीक करना । अच्छी स्थिति में पहुँचाना । प्राप्त करना । उपार्जित करना । मूर्ख ठहराना ।

1101. बनात : कई रंगों वाला ऊनी वस्त्र ।
1102. बनाय : अच्छी तरह से । पूर्ण रूप से ।
1103. बनाव : रचना । श्रंगार । युक्ति ।
1104. बनावट : गठन । गढ़न । ऊपरी दिखावा । आडम्बर ।

1105. बन्धन : बॉधने की क्रिया ।
1106. बन्धक : ऋण के बदले महाजन के पास रखने की वस्तु । गिरवी रखी हुई वस्तु ।
1107. बरजोर : प्रबल । बहुत वेग से ।
1108. बरजोरी : बल के प्रयोग के साथ । बलपूर्वक ।

1109. बरस : बारह माह का समय । एक वर्ष ।
1110. बरसना : बादलों से निरन्तर वर्षा का होना ।
1111. बरसी : वह श्राद्ध जो किसी मृतक के मरने की तिथि के ठीक एक वर्ष बाद किया जाता है ।
1112. बहलना : चित्त को बनावटी बातों से प्रसन्न करना, या व्यर्थ के कार्यों में समय काटना ताकि मन की उदासी कम हो सके या भूली जा सके ।
1113. बहलाना : भुलावा देना । बातों में लगा कर ध्यान बटाना ।
1114. बहाना : पानी में ढलकाना । खोना । गॅवाना । पानी की धारा में डालना ।
1115. बहाव : पानी की धारा के प्रवाह की गति । बहने की क्रिया । बहती हुई धारा ।

1116. बहिष्कार : बाहर करना । निकालना । दूर हटाना । अलग करना ।
1117. बहिष्कृति : बाहर निकालने की क्रिया ।
1118. बहु : एक से अधिक । बहुत । अधिक ।
1119. बहुमत : बहुत से लोगों का मिल कर एक मत होना या एक राय देना या एक विचार रखना ।
1120. बहुमान्य : बहुत से लोग जिसका आदर मान करते हों ।
1121. बहुमूल्य : अधिक दाम का । कीमती । विरला । अनोखा ।
1122. बहुवचन : व्याकरण की एक परिभाषा, जिसमें एक से अधिक वस्तुओं के होने का बोध होता है ।

1123. बहू : नव विवाहिता । पुत्र की पत्नी ।
1124. बाण : तीर । अग्नि ।

1125. बात : वचन । फैली हुई चर्चा । उपदेश । सन्देश। सीख । रहस्य । अभिप्राय । प्रतिज्ञा । मान मर्यादा । व्यवहार । इच्छा । रीति । प्रकृति । विशेषता । सम्बन्ध । बहाना । वार्तालाप ।
1126. बाद : पहले से आगे दुसरा । वितर्क । विवाद । झंझट । निरर्थक ।
1127. बादल : मेघ । पानी से भरे भाप के समूह जो ठंडे होने पर वर्षा करते हैं ।

1128. बारहमासी : सब ऋतुओं में फलने फूलने वाला वृक्ष या पौधा ।
1129. बारहदरी : चारों तरफ से खुली हुई बैठक ।

1130. बाहर : किसी निश्चित या कल्पित सीमा से हट कर । सिवाय । अलग । किसी दूसरे स्थान पर । प्रभाव या अधिकार से अलग ।

1131. बिगड़ना : असली गुण या रंग रूप का नष्ट होना । क्रुद्ध होना । विरोधी होना । बुरी अवस्था को प्राप्त होना । लड़ाई झगड़ा होना । व्यर्थ व्यय होना ।

1132. बिड़बना : हॅसीं ठट्टा । उपहास ।

1133. बिजली : विद्युत तथा रसायन किय्रा से उत्पन्न होने वाला प्रकाश । वह प्राकृत शक्ति जिसके कारण वस्तुओं में आर्कषण तथा अपकर्षण होता है । इससे कभी कभी ताप और प्रकाश भी उत्पन्न होता है । जैसे कि बादलों के टकराने से बिजली की चमक और गरज उत्पन्न ।

1134. बित्त या वित्त : धन । पैसा । आय व व्यय का हिसाब ।

1135. बिदा : जाने की आज्ञा लेना । बिदाई । प्रस्थान ।

1136. बिरला : कोई इक्का या दुक्का । विरला । अनेकों में से कोई कोई ।

1137. बिरवा : पौधा या वृक्ष ।

1138. बीच : किसी के मध्य में । अन्तर। अवसर । भेद । तरंग । लहर ।

1139. बीज : प्रधान कारण । किसी मुद्दे की मुख्य बात । वृक्ष वनस्पति आदि जीवन के अंकुर का आधार ।

1140. बीड़ : एक के उपर एक रखे हुए रुपयों की गड्डी ।

1141. बीड़ा : पान की गिलौरी ।

1142. बीतना : समय का बीतना या आगे चला जाना । छूट जाना । दूर होना ।
1143. बीनना : चुनना । छॉटना । छॉट कर अलग करना ।
1144. बुक : एक प्रकार का कलफ किया हुआ महीन कपड़ा ।
1145. बुकनी : महीन पिसा हुआ चूर्ण । वह चूण जो पानी में घोलने से रंग बनाता हो ।
1146. बुकवा : उबटन ।

1147. बुनना : ताने बाने की सहायता से कपड़ा तैयार करने की क्रिया ।
1148. बुनावट : बुनने में सूतों का संयोग ।

1149. बोल : वचन । व्यंग । ताना देना । प्रतिज्ञा करना । वाक् ।
1150. बोलना : मुख से शब्द निकालने की किय्रा । कहना । पुकारना।
1151. बोलता : आत्मा । बोलने वाला प्राणी । मनुष्य ।
1152. बोली : वाणी । भाषा । अर्थयुक्त शब्द या वाक्य । नीलाम करने वाले और खरीदने वालों का जोर जोर से दाम कहना ।

1153. ब्यवहार : समाज में उठने बैठने तथा कार्य करने का तरीका । व्यवहार ।
1154. ब्यापार : रुपये का लेन देन । व्यापार । समान व चीजों को लाभ पर बेचना व खरीदना ।
1155. ब्याह : विवाह । पाणिग्रहण ।

1156. ब्रह्मज्ञान : ब्रह्म विषयक ज्ञान । अपनी आत्मा का यथार्थ अनुभव ।

1157. ब्रह्माण्ड : चौदहों भुवनों का समूह ।

' भ ' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

1158. भक्ति : पूजा । अर्चना । स्नेह । अनुराग । सेवा । श्रद्धा । विश्वास ।

1159. भक्त : उपासक । सेवक ।

1160. भगवत् : परमेश्वर । पूजनीय । गुरू ।

1161. भगवत् गीता: महाभारत ग्रंथ के भीष्म पर्व में , अठारह अध्याय का वह ग्रंथ जिसमें कर्मयोग , ज्ञानयोग , भक्तियोग आदि विभिन्न योगों का उपदेश है ।

1162. भजन : गुण कीर्तन । बार बार किसी देवता का नाम लेना । पूजा।

1163. भोजन :पका हुआ अन्न व तरकारी से बना खाने योग्य पदार्थ ।

1164. भरना : पूर्ण करना । पद पर नियुक्त करना । खेत में पानी देना । नदी या कुँए से घड़े में पानी भर कर लाना । गुप्त रूप से या पीठ पीछे , किसी की निन्दा करना, यानि कान भरना । सहना । झेलना । खाली स्थान या छिद्र को भरना ।

1165. भरपूर : भली भाँति । भरपाई ।

1166. भरपाई : जो भी कुछ बकाया हो उसे पूरा पा जाना या चुक्ता करना । उधार ली हुई, पाई पाई चुका देना ।

1167. भव : संसार । जन्म । उत्पत्ति । उत्पन्न। कुशल । शुभ । कल्याणकारक । प्राप्ति । कारण । हेतु । जन्म मरण का दु:ख । भय । डर ।

1168. भवन : संसार। प्रासाद । गृह । जगत ।

1169. भव्य : श्रेष्ठ । बड़ा । प्रसन्न । शुभ । जो देखने में बड़ा और सुन्दर हो ।

1170. भहराना : झोंके से गिर पड़ना । टूट जाना । फिसलना ।

1171. भागना : हट जाना। पिंड़ छुड़ाना । टल जाना ।

1172. भाजी : साग । तरकारी । सब्ज । पकवान व मिठाई जो सम्बन्धियों का घर भेजी जाती है ।

1173. भाज्य : वह संख्या जिसका भाजक से भाग किया जाता है ।

1174. भाटा : सागर के पानी का चढ़ाव की ओर से उतराव की ओर जाना । तट पर लहरों का चढ़ना, ज्वार कहलाता है और उन का उतरना भाटा कहलाता है, जिससे ' ज्वार भाटा ' शब्द बनता है ।

1175. भाठः वह मिट्टी जो नदी की बाढ़ के पानी के साथ किनारों पर आती है और बाढ़ के उतरने पर कछार में रह कर जम जाती है ।

1176. भाभर : पहाड़ों के बीच तराई का जंगल ।

1177. भाभरी : गरम राख । भुल भुला ।

1178ण भारी : अधिक वजन का । प्रबल । ठोस । कठिन । अत्यन्त गम्भीर ।

1179. भारती : सरस्वती । वचन । वाक्य ।

1180. भारवी : तुलसी का पौधा । भाल :ललाट । मस्तक । कपाल ।

1181. भालना : ध्यानपूर्वक देखना ।

1182. भाव : मन के विचार । चित्त । आत्मा । सत्ता । अभिप्राय । स्वभाव । चेष्ठा । कल्पना । आदर । भक्ति । श्रद्धा । प्रतिष्ठा । अवस्था ।

1183. भावी : भाग्य । प्रारब्ध । अवश्य होने वाली बात । सोचनेवाला ।

1184. भावित : सोचा हुआ । शुद्ध किया हुआ । मिलाया हुआ । मिलान किया हुआ ।

1185. भावात्मक : किसी विषय का वो सूचक जो उसकी प्राकृत अवस्था का बोध कराता हो।

1186. भाषा : प्रकाश चमक । मिथ्या ज्ञान ।

1187. भासमान : वह जो दिखाई दे रहा हो ।

1188. भिन्न : अन्य । भेद । अलग होने का भाव । दूसरा । पृथक । कटा हुआ । अलग । अन्तर । भेदभाव ।

1189. भिन्नार्थक : दूसरे अर्थ का ।

1190. भीड़ : जनसमूह । जमघट । बहुत सारे लोगों का एक स्थान पर एकत्र होना ।

1191. भीत : विभाग करने का टुकड़ा । खण्ड । टुकड़ा ।

1192. भीतर : अन्दर । हृदय । अन्तःकरण । अन्तःपुर ।

1193. भीनी : मीठी प्रातः समय । सवेरा ।

1194. भीम : भीषण । घोर । भयंकर ।

1195. भीर : संकट । विपत्ति । भयभीत । डरना ।

1196. भेद : छिपी हुई बात । अन्तर । आपसी मतभेद ।

1197. भोग : सुख दुःख का अनुभव । भोजन । पुण्य या पाप का फल । पालन पोषण ।

1198. भोज : बहुत से लोगों को एक साथ बैठा कर भोजन कराना ।

1199. भ्रांत : व्याकुलता । घबड़ाया हुआ ।

1200. भ्रान्ति : धोखा । संशय । भ्रम ।

1201. भ्रामक : भ्रम में डालने वाला ।

'म ' अक्षर से आरम्भ होने वाले शब्द

1202. मकरन्द : फूलों का रस जिसको मधुमक्खियॉ और भौंरे चूसते हैं ।

1203. मक्खन : दूध का वह भाग जो दही मथने से प्राप्त होता है , और जिसको तापने से घी बनता है ।

1204. मग्न : ध्यान में लीन । तन्मय । प्रसन्न ।

1205. मगजी : पतली गोट या पट्टी जो कपड़े के किनारे पर लगाई जाती है ।

1206. मणि बहुमूल्य पत्थर । रत्न ।

1207. मणी : सर्प ।

1208. मण्डप : देवालय के ऊपर का भाग । चॅदवा ।

1209. मण्डल : चन्द्रमा या रवि के चारों ओर पड़ने वाला प्रकाश का घेरा। वृताकार । समाज । समूह ।

1210. मण्डली : समूह जो नाटक आदि करने के लिये एकत्र होता है।

1211. मतः निषेधवाचक शब्द 'नहीं '। जैसे कि 'ऐसा मत कर '। सम्मति। आशय । पंथ । ज्ञान। सम्प्रदाय। निषेधवाचक शब्द ।

1212. मति : बुद्धि । इच्छा सम्मति । सदृश्य । समान । बुद्धि की भिन्नता । मतभेद या मतिभेद ।

1213. मतिमान : बुद्धिमान । विचारवान ।

1214. मथना : किसी तरल पदार्थ को वेगपूर्वक हिलाना या चलाना । घूम घूम कर पता चलाना । किसी काम को बारम्बार करना । नष्ट करना । रगड़ना ।

1215. मथौरी : स्त्रीयों का एक गहना जिसे माथे और सिर पर पहना जाता है ।

1216. मध्य : किसी वस्तु या स्थान के बीच का अंश या हिस्सा । मानव शरीर में कमर का हिस्सा ।

1217. मध्यमा : बीच की अँगुली ।

1218. मध्यमलोक : पृथ्वी । मध्यदिन । दोपहर ।

1219. मध्यमरात्र : मध्य रात्री । आधीरात ।

1220. मन : अन्तःकरण । इच्छा । चालीस सेर का तोल का माप ।

1221. मनन : सोचना विचारना । अच्छी तरह से अध्ययन करना ।

1222. मनका : छेद किया हुआ गोल दाना जिसके कई दाने एक सूत्र में पिरो कर सुमिरिनी या जाप की माला बनाई जाती है ।

1223. मनसा : अभिलाषा । कामना । मन से । मन के द्वारा ।

1224. मन्त्र वेद की रहस्यपूर्ण बातें । देवता की साधना के लिये वैदिक वाक्य जिसको पढ़ कर यज्ञादि की क्रिया की जाती है ।

1225. मन्त्रणा : परामर्श । सलाह ।

1226. मन्दिर : गृह । देवालय । घर में पूजा का स्थानए जहॉ देवी देवता को स्थापित किया हुआ हो।

1227. मन्दि : कमी । भावों के कम होने का दौर । सस्ती । व्यापार क्रिया के धीरे होने का दौर ।

1228. मराल : राजहंस । काजल । बादल ।

1229. मरायल : घाटा । जिसने कई बार मार खाई हो या घाटा उठाया हो ।

1230. मर्म : रहस्य । तत्व । शरीर में वह स्थान जहॉ पर आघात पड़ने से अधिक पीड़ा होती है और कभी कभी मृत्यु भी हो जाती है ।

1231. मर्मज्ञ : किसी बात का गूढ़ रहस्य जाननेवाला ।

1232. मर्मभेदक : हृदय को अधिक कष्ट पहुॅचाने वाला ।

1233. मलमल :महीन सूत से बुना हुआ एक प्रकार का पतला कपड़ा।

1234. मलाई : दूध उबालने के बाद ठंडा करने पर उसकी ऊपरी परत जिसमें घी का तत्व अधिक होता है ।

1235. मलिन : दोष । पाप । धीमा । फीका । मैला।

1236. मलीन : उदास ।

1237. मलिनाई : मैलापलन । मैला होना ।

1238. मल्ल : पहलवान ।

1239. मल्लिका : एक प्रकार की सुगन्धि फूलों की बेल, जिसका दूसरा नाम मोतिया है ।

1240. मसाला : किसी भोजन के व्यंजन या पदार्थ को तैयार करने के लिये आवश्यक सामग्री।

1241. मसार : गीला । स्निग्ध ।

1242. महमह : सुगन्ध के साथ । महमहा । सुगन्धित ।

1243. महकना : सुगन्ध का चारों ओर फैलना ।

1244. महकीला : सुगन्धित । महमदार ।

1245. महाजन : श्रेष्ठ पुरुष । धनी व्यक्ति ।

1246. महाजनी : रूपयों के लेन देन का व्यवसाय । महाजनों के यहाँ बही खाता लिखने की एक लिपि जिस में मात्राएँ नहीं लगाई जातीं । मुड़िया अक्षर ।

1247. महान् : विशाल । बहुत बड़ा ।

1248. महानुभाव : कोई बड़ा आदरणीय व्यक्ति ।

1249. महात्मा : वह जिसकी आत्मा बहुत महान हो । जो बड़े हृदय वाला होने के कारण सब को अपना समझे, सब की ओर सम दृष्टि रखे, सब को क्षमा कर दे, किसी से बैर न करे, सत्य की राह पर स्वयं चले और दूसरों को भी प्रेरित करे ।

1250. महापद्म : सफेद कमल । एक संख्या जिसमें 12 शून्य होते हैं ।

1251. महाद्वीप : पृथ्वी का वह बड़ा भाग जो चारों ओर से सागर से घिरा हो, जिस की स्पष्ट प्राकृतिक सीमाएँ हों , और जिसमें अनेक देश स्थित हों ।

1252. महाप्राण : व्याकरण में ख , च, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध , फ , श, ष , स, ह । इन वर्गों के नाम । बड़ा बलवान ।

1253. महीन : मोटाई में कम । कोमल । पतला । धीमा । कम घेरे वाला ।

1254. महीना : समय का वह नाप जो एक वर्ष के बारहवें अंश के बराबर होता है । मासिक वेतन ।

1255. मात्रा : परिमाण । अवयव । शक्ति । स्वर सूचक रेखा जो अक्षर पर लगाई जाती है ।

1256. माथा : किसी पदार्थ का ऊपरी भाग । जीवों के चेहरे पर आखों के ऊपर से, बालों तक का हिस्सा ।

1257. माधुरी : चमेली का फूल जो अपनी सुगन्ध के कारण माधुर कहलाता है। मद्य । सौन्दर्य । मधुरता । मिठास ।

1258. माध्वी : महुवे से बनी मदिरा ।

1259. मान : परिमण । तौल । सामर्थ्य । शक्ति । प्रतिष्ठा ।

1260. मानना : स्वीकार करना । ध्यान में लाना । श्रद्धा या विश्वास । आदर करना ।

1261. मारना : वध करना । आघात पहुँचाना । धातु आदि को जलाकर भस्म करना । अनुचित रीति से किसी वस्तु को ले लेना । निर्जीव कर देना । डॅसना । काटना । बिना परिश्रम के प्राप्त करना । छिपाना । रोकना । नष्ट करना । ठोंकना । पीटना ।

1262. मारपेंच : किसी को धोखे में रखकर उसकी हानि करने की युक्ति ।

1263. मार्मिक : मर्मस्थान पर प्रभाव डालनेवाला ।

1264. मार्जन : स्वच्छ करने का काम ।

1265. मार्जक : निर्मल करने वाला । रजक । धोबी ।

1266. मेल : संजोग । मित्रता । अनुकूलता । अनुरूपता । ढ़ँग । प्रकार । मिलावट । समता । संगति । एकता ।

1267. मेला : बहुत से लोगों का जमावड़ा । उत्सव । खेल । कौतुक देखने के लिये बहुत से लोगों की भीड़ ।

आगे अगले भाग में